CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
Affiliated to Patliputra University,Patna

कैटलिस्ट कॉलेज - लॉकडाउन नहीं बनी पढ़ाई में बाधा

विजयम एजुकेशनल ट्रस्ट के सिमेज समूह के अंतर्गत संचालित 'कैटलिस्ट कॉलेज मे सफ़ल रहा ऑनलाइन पढ़ाई का प्रयोग

देश्वव्यापी लॉकडाउन के सारा जनजीवन लगभग ठप सा पड़ गया है | सारी चीज़े मानो थम सी गई हैं | नहीं थमी है तो राज्य में कैटलिस्ट कॉलेज के छात्रों की पढ़ाई |

नामांक्न से समय ही छात्रो का बना था व्हाट्सएप ग्रुप

लॉकडाउन की घोषणा से पहले ही, जब राज्य में सभी शिक्षण संस्थानो को बंद कर दिया गया था, तभी से बगैर देर किए कैटलिस्ट कॉलेज ने तुरंत 'ऑनलाइन' विकल्प को चुन लिया था | वस्तुतः कैटलिस्ट कॉलेज में पहले से ही छात्रों को कॉलेज की पढ़ाई के साथ-साथ सोशल मीडिया के विभिन्न साधनों जैसे व्हाट्सएप्प, यूट्यूब इत्यादि के माध्यम से डिजिटल कंटेन्ट भी प्रदान किया जाता था | कॉलेज में नामांकन से समय ही सभी छात्रों के व्हाट्सएप्प ग्रुप बनाये गए थे, जिसके माध्यम से इन छात्रों को नियमित तौर पर डिजिटल कंटेन्ट प्रदान किया जाता रहा है |

कैटलिस्ट कॉलेज मे रेग्युलर पढाई के साथ छात्रो को रोज़ डिजिटल कंटेन्ट भी

कॉलेज के सभी छात्रों के व्हाट्सएप ग्रुप बनाये गए | यह व्हाट्सएप ग्रुप दो श्रेणी में बनाए गए - एक श्रेणी थी - जिसमें शिक्षक छात्रों को एजुकेशनल कंटेन्ट असाइनमेंट, पीडीएफ फाइल, पीपीटी प्रेजेंटेशन, वीडियो लेक्चरर्स इत्यादि के माध्यम से प्रदान किया करते थे | और दूसरा ग्रुप है जिसमें छात्रों के साथ डिस्कशन करने की सुविधा भी है | इन व्हाट्सएप ग्रुप में भेजे जाने वाले वीडियोज़ शिक्षकों ने घर से ही बनाने शुरू किए | शुरुआत में शिक्षकों के लिए यह कार्य कठिन था क्योंकि कई एक शिक्षकों ने इस प्रकार का कार्य पहले कभी नहीं किया था | उनके लिए अपने घर में समुचित संसाधनों के अभाव में, सीमित संसाधनों में ही इस प्रकार का कार्य उन्हें करना था | अधिकांश शिक्षकों के पास घर पर बोर्ड नहीं थे | उन्होंने उसके इनोवेटिव सॉल्यूशंस निकाले | कुछ लोगों ने कंप्यूटर पर प्रेजेंटेशंस के साथ वीडियो बनाएं, कुछ लोगों ने अपने मोबाइल पर वीडियो बनाएं, कुछ लोगों ने अपने मोबाइल में स्क्रीन रिकॉर्डर इत्यादि के माध्यम से वीडियो बनाएं |

लॉकडाउन की घोषणा से पहले से छात्रो दिया जा रहा है रोज़ डिजिटल कंटेन्ट

कैटलिस्ट कॉलेज में यह सारी प्रक्रिया लॉकडाउन से पहले ही, 18 मार्च 2018 को शुरू कर दी गई थी | छात्रों को ऑनलाइन डिजिटल कंटेन्ट के माध्यम से पढ़ाया जाना शुरू भी किया जा चुका था | छात्रों के लिए यह सुविधाएं कैटलिस्ट कॉलेज द्वारा जनता कर्फ्यू के पहले ही शुरू कर दी गई थी |

शिक्षकों को दिया गया वीडियो लेक्चर्स बनाने का विशेष तकनीकी प्रशिक्षण

जब जनता कर्फ्यू से पहले बिहार में स्कूल कॉलेज को बंद करने की घोषणा हुई थी तो कॉलेज में ही सभी शिक्षकों को इसका ऑनलाइन टीचिंग का प्रशिक्षण दिया गया | किस प्रकार से वीडियो को बनाना है ? जिन शिक्षकों के पास लैपटॉप नहीं है या घर में डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप की सुविधा नहीं है, वह केवल अपने मोबाइल के माध्यम से ही वीडियो कैसे बना सकते हैं ? ट्यूटोरियल वीडियो कैसे बना सकते हैं ? इसका भी प्रशिक्षण उन्हें दिया गया था | मोबाइल पर ही वर्ड, एक्सल, पावरप्वाइंट, पीडीएफ फाइल को खोलकर अपने थंबनेल के साथ अपने वॉइस-ओवर (आवाज़ को साथ में जोड़ना) को साथ में रखते हुए किस प्रकार वीडियो बनाया जाए, ये सब प्रशिक्षण शिक्षकों को कॉलेज में दिया गया | साथ ही, किस प्रकार से मोबाइल में डिजिटल व्हाइट बोर्ड को यूज कर वीडियो बना सकते हैं, किस तरह से किन सॉफ्टवेयर का यूज किया जाना है, यह सारा प्रशिक्षण शिक्षकों को इस दौरान कॉलेज में ही दे दिया गया था |

कॉलेज के यूट्यूब चैनल एवं फेसबुक पेज पर होता है वीडियोज़ प्रतिदिन अपलोड

इस प्रकार ऑनलाइन पढ़ाई की कैटलिस्ट कॉलेज मे त्वरित गति से शुरू हो गई और छात्रों के व्हाट्सएप ग्रुप में ट्यूटोरियल वीडियोज़ और स्टडी मैटेरियल्स रोज भेजा | कॉलेज के यूट्यूब चैनल एवं फेसबुक पेज पर भी यह वीडियोज़ प्रतिदिन अपलोड किए जाते थे | घर पर ब्लैक बोर्ड की कमी को शिक्षकों ने अपने वाइट टेबल, कांच की दीवार, A4 साइज के विभिन्न पेपर से पूरा किया |

कमी : दो-तरफा समवान की

लेकिन इन सारी प्रक्रिया के बावजूद एक अभाव महसूस होता था | कमी यह थी कि जो शिक्षक पढ़ा रहे होते थे, उन्हे पढ़ने वाले उन छात्रों का फीडबैक नहीं मिल पाता था | इसका कमी को पूरा किया 'ज़ूम' ऐप ने |

25 मार्च से ही कैटलिस्ट कॉलेज ने शुरू किया ज़ूम एप्लीकेशन का इस्तेमाल

25 मार्च से कैटलिस्ट कॉलेज के छात्रो को पढ़ाने के लिए ज़ूम एप्लीकेशन का इस्तेमाल शुरू कर दिया गया | लेकिन इससे पहले कॉलेज के सभी शिक्षकों के बीच ज़ूम ऐप एप्लीकेशन के माध्यम से ही एक मीटिंग का आयोजन किया गया, इसे व्यावहारिक तौर पर टेस्ट किया गया और यह निर्णय लिया गया कि ज़ूम ऐफ का इस्तेमाल कर कैटलिस्ट कॉलेज के छात्रो को ऑनलाइन क्लास कंड्क्ट कराई जा सकती है |

बनाई गई नियमावली :

सबसे पहले जून के उपयोग के लिए छात्रों के लिए ज़ूम का इस्तेमाल करने के लिए गाइडलाइन बनाई गई ताकि क्लास सुचारू रूप से चलाई जा सके | यह भी एक संभावना थी कि उनकी क्लास शुरू करने पर सिक्योरिटीज का कोई इशू ना आए, प्राइवेसी को लेकर कोई समस्या नहीं आए |

इसके लिए ज़ूम के विभिन्न ऑप्शन तथा सिक्योरिटी फीचर्स का अध्ययन किया गया | इसके बाद कस्टमाइजेशन के माध्यम से ज़ूम ऐप की सेटिंग को पूरी तरीके से सुरक्षित एवं सिक्योर कर दिया गया | इस बीच छात्रों की क्लासेस व्हाट्सएप ग्रुप पर तथा कॉलेज के यूट्यूब चैनल एवं फेसबुक पेज पर लगातार चालू रही इन वीडियोस इमेज कॉलेज के फेसबुक पेज पर भी निरंतर पोस्ट किया जाता रहा गया | इसके बाद छात्रों का रूटीन बनाया गया एवं छात्रो की सभी क्लासेस ज़ूम ऐप के माध्यम से ऑनलाइन चालू कर दी गई |

क्या बनी व्यवस्था ?

ज़ूम पर ऑनलाइन क्लास करे के लिए प्रत्येक सीन छात्रों को नया लॉगिन पासवर्ड दिया जाता है | सिक्योरिटी के लिए छात्रों के वेटिंग रूम का प्रबंध किया गया है | क्लास को सुचारू रूप से चलाने के लिए छात्रों के माइक्रोफोन एवं कैमरा को न्यूज़ यानी डिसएबल कर दिया जाता है | छात्रों को स्क्रीन शेयर करने की सुविधा नहीं दी जाती | छात्र आपस में बातचीत यानी चैट नहीं कर सकते एवं क्लास को किसी भी रतह से डिस्टर्ब नहीं किया जा सकता है | इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि ग्रुप में पढ़ाई के दौरान कोई अवांछनीय तत्वों ना आप आए इसके लिए छात्रों के लॉगिन आई.डी. को उनके रोल नंबर, नाम एवं कॉलेज आई.डी. के नाम से बनाया गया है | जिससे छात्रों की आसानी से पहचान हो जाती है | जिसे शिक्षक अपनी सुविधानुसार क्लास में एंट्री प्रदान करते हैं, वही छात्र क्लास कर पाता है | अगर किसी शिक्षक को लगता है कि छात्र क्लास का नहीं है या वह व्यक्ति क्लास का नहीं है तो ऐसे लोगों को उस ग्रुप में एंट्री प्रदान नहीं की जाती है | क्लास के दौरान वहां पर कोई भी अप्रिय घटना ना हो, कोई अवांछित तत्व उस ऑनलाइन क्लास में प्रवेश न कर पाए, किसी अवांछनीय कंटेंट को शेयर न किया जा सके या क्लास में किसी तरह का कोई व्यवधान खड़ा न किया जा सके, इसकी पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है |

कैसे पाते हैं छात्र अपने सवालों के जवाब ?

ज़ूम ऐप की सारी सेटिंग इस प्रकार की गई है कि छात्र केवल शिक्षक से हाथ उठाकर सवाल पूछ सकते हैं (ज़ूम ऐप मे बटन दबाकर हाथ उठाने की सुविधा है) एवं इन सवालों को शिक्षक अपने जवाब के रूप में ग्रुप में रिस्पॉन्ड करते हैं | इससे छात्रो को भी समस्या का समाधान मिल जाता है और क्लास डिस्टर्ब भी नहीं होती |

इस प्रकार से कनेक्ट करने वाले शिक्षक के हाथ में उस क्लास का पूरा कंट्रोल होता है एवं क्लास के दौरान व्यवधान उत्पन्न नहीं होता | जब छात्र अपना हाथ उठाते हैं तो शिक्षक उस छात्र को अनम्यूट करते हैं एवं छात्र अपना सवाल पूछते हैं | उसके बाद उनके माइक्रोफोन को पुनः म्यूट कर दिया जाता है | इस प्रकार से जो संवाद होता है, वह स्पष्ट होता है एवं सभी लोगों को सही तरीके से पूरी क्लास समझ में आती है |

डेटा की भी होती है बचत

इसका दूसरा फायदा यह होता है डाटा कम खर्च होता है | यदि ज़ूम मीटिंग के दौरान के दौरान सभी पार्टिसिपेंट्स अपने ऑडियो- वीडियो को ऑन रखें तो ज्यादा डाटा खर्च होगा और नेटवर्क ट्रैफिक की समस्या खड़ी हो जाएगी | कैटलिस्ट कॉलेज मे बिहार के विभिन्न जिलों से पढ़ने के लिए छात्र आते हैं | कई छात्र ग्रामीण क्षेत्र से भी हैं एवं वहां नेटवर्क की समस्या होती है | लेकिन इस प्रकार अनुशासित ढंग से पढ़ाई करने पर नेटवर्क की समस्या पर काफी हद तक समाधान पाया जा चुका है |

छात्रों का अटेंडेंस भी बनता है रोज

ऑनलाइन क्लास के दौरान जो छात्र क्लास अटेंड करते हैं, उनका अटेंडेंस भी बन सके, इसकी व्यवस्था की गई है |क्योंकि यह भी हो सकता है कि छात्र केवल लॉगिन करें और वह क्लास को नहीं सुन रहे हों | तो ऐसे में छात्रों का अटेंडेंस सुनिश्चित करने की व्यवस्था भी की गई है | क्लास के दौरान छात्रों से शिक्षक द्वारा सवाल पूछा जाता है, पढ़ाये जा रहे विषयों के संदर्भ में पूछा जाता है - इससे यह सुनिश्चित हो पाता है कि छात्र क्लास को अटेंड कर रहे हैं और विषय को समझ रहे हैं | यदि कोई छात्र उस क्लास में क्या पढ़ाया जा रहा है वह बता नहीं पाता है तो ऐसे छात्रों को 3 क्लास मैं अनुपस्थित माना जाता है | इससे यह सुनिश्चित हो पाता है कि छात्र पूरे क्लास के दौरान अटैंटिव रहे एवं क्लास को सीरियसली अटेंड करें | इस प्रकार की व्यवस्था से केवल लॉगिन कर अटेंडेंस बनवाने वाले छात्रों पर भी लोग पर भी तो रोक लगती है एवं इस समस्या का समाधान पाया जा सकता है |

प्रतिदिन छात्रों को भेजा जाता है उनका अटेंडेंस स्टेट्स

छात्रों को अपने रोल, कॉलेज आईडी एवं नाम के माध्यम से छात्रों को अपनी लॉगिन आईडी बनानी है एवं इसी माध्यम से उनका अटेंडेंस नोट किया जाता है | प्रत्येक क्लास के अंत में छात्रों की उपस्थिति को उनके व्हाट्सएप ग्रुप में भेजा जाता है

ज़ूम पर आयोजित ऑनलाइन क्लास की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाती है तथा उसे बाद में कॉलेज के यूट्यूब चैनल तथा फेसबुक पर भी पोस्ट किया जाता है ताकि यदि कोई छात्र उस विषय का रिविज़न करना चाहे या अन्य संस्थानों के छात्र भी अगर उस विषय की पढ़ाई करना चाहेम तो वीडियो के माध्यम से वह अपनी पढ़ाई कर सकते हैं |

ज़ूम के अलावा भी हैं कई अन्य विकल्प :

ज़ूम के सिक्योरिटी कंसर्न्स को देखते हुए टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज द्वारा जारी किए गए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'टीसीएस ऑनलाइन एजुकेशन प्लेटफॉर्म' को भी कैटलिस्ट कॉलेज मे अपनाया गया है | कैटलिस्ट कॉलेज के सारे छात्रों का रजिस्ट्रेशन उसमे कराया गया है | वहां छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस एवं ऑनलाइन एग्जाम की भी सुविधा दी जा रही है | 'टीसीएस ऑनलाइन एजुकेशन प्लेटफॉर्म' की एक खास बात यह भी है कि उसमें सिर्फ कॉलेज के रजिस्टर्ड छात्र ही लॉगिन कर सकते हैं और उस ग्रुप में किसी दूसरे बाहरी प्रवेश बाहरी छात्र के प्रवेश की संभावना नहीं है | टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सुविधा सभी स्कूल एवं कॉलेजों को दे रही है इस सुविधा को 3 माह तक के लिए बिल्कुल निशुल्क रखा गया है

कैटलिस्ट कॉलेज द्वारा ज़ूम का तो व्यापक इस्तेमाल किया ही जा रहा है | इसके साथ ही विभिन्न अन्य एप्लीकेशन में भी संभावनाओं की तलाश की जा रही है, जिसमें गूगल मीट, माइक्रोसॉफ्ट टीम तथा अन्य प्रमुख हैं | कुछ शिक्षकों द्वारा माइक्रोसॉफ्ट मीट एप्लीकेशन का भी इस्तेमाल किया गया है लेकिन 'माइक्रोसॉफ्ट मीट' में यह पाया गया है कि एक बार में मात्र 4 वीडियोज़ को ही ऑन किया जा सकता है | जबकि गूगल मीट में यह संख्या 100 तक जाती है लेकिन एक माह का शुल्क देने पर इस संख्या को बढ़ाया भी जा सकता है |

अन्य संस्थानो के छात्र के लिए कैटलिस्ट कॉलेज यूट्यूब लाईव

लॉकडाउन के वजह से बिहार के अन्य विश्वविद्यालय में बीबीए,बीसीए, बीकॉम की पढ़ाई रुकी हुई है या कई छात्रों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है | इसे देखते हुए कैटलिस्ट कॉलेज संस्थान ने यह निर्णय लिया है कि प्रत्येक शिक्षक द्वारा संबन्धित विषयों पर सप्ताह में 3 क्लासेस यूट्यूब पर लाइव क्लासेस के माध्यम से दी जाएगी | इसे फेसबुक पर भी रिले किया जायेगा | यूट्यूब पर लाइव होने वाले क्लास की सूचना पहले से ही यूट्यूब एवं फेसबुक पर प्रेषित कर दी जाती है तथा इंटरेस्टेड छात्र उस वक्त इस लाइव क्लास को ज्वाइन करते हैं | शिक्षकों लाइव क्लासेस के दौरान पहले से अनाउंस किए गए विषय एवं टॉपिक पर क्लास करते हैं | जितने लोगों ने चैनल को सब्सक्राइब किया है, उनको इसकी नोटिफिकेशन भी पहुंच जाती है जिससे कि वह उस समय उपलब्ध रहते हैं | हमारी इस 'फ्री टू ऑल' क्लासेस में बिहार के अतिरिक्त भारत के अन्य शहरों से भी छात्र बड़ी संख्या में लॉगिन करते हैं एवं लाइव क्लास अटेंड करते हैं | छात्र इस लाइव क्लास के दौरान टीचर से कमेंट के माध्यम से सवाल पूछते हैं एवं शिक्षक क्लास का अंतिम 15 मिनट में कमेन्ट के माध्यम से पूछे गए सवालों के जवाब देते हैं |

डाउट क्लिएरिंग सेशन

अब इसमें एक नया फॉर्मेट शुरू किया जा रहा है | क्योंकि छात्रों का जो व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, उसमें छात्रों को शिक्षकों से सवाल पूछने का विकल्प भी दिया जा रहा है | जिसमें छात्र अपने सारे सवाल अलग-अलग शिक्षकों के नाम से डालते हैं और शिक्षक सप्ताह के अंत में 1 दिन छात्रो के उन सारे सवालों के जवाबों को एक्सप्लेन करते

हुये वीडियो बनाते हैं, जिससे छात्रों की जिज्ञासा को शांत किया जा सके | इस सेशन से छात्रों को यह फायदा होता है कि जो छात्र क्लास के दौरान यदि कोई सवाल नहीं पूछ पाये या उस दिन अनुपस्थित थे तो उन्हें भी अपने सवालों का जवाब मिल जाता है |

लॉकडाउन के दौरान बिहार के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र कैसे करें पढाई

कैटलिस्ट कॉलेज द्वारा आईआईटी बॉम्बे के स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट के कोर्स निशुल्क

ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के लिए कैटलिस्ट कॉलेज के द्वारा एक विशेष सुविधा प्रदान की जा रही है | ग्रामीण परिवेश के छात्रों को कैटलिस्ट कॉलेज द्वारा आईआईटी बॉम्बे के स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट के कोर्स निशुल्क कराए जाएंगे | इस कोर्स का सर्टिफिकेशन छात्रों को आईआईटी मुंबई से मिलेगा | यह कोर्स छात्रों के लिए पूर्णता निशुल्क रहेगा और छात्रों से कोर्स रजिस्ट्रेशन, ऑनलाइन क्लासेस, एग्जामिनेशन एवं सर्टिफिकेशन का कोई भी शुल्क नहीं लिया जाएगा | इसके तहत HTML, Java, Java Business Application, Inkscap, PhP, Joomla, Koha, MySQL, Python, C, Adv. C++, Blender, R tool, Ruby, SciLab, Synfig, Android App Develpoment, Linux, Perl, Libre Office तथा अन्य कोर्स कर सकते हैं |

edx.org है अच्छा विकल्प - अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पढाई वो भी निःशुल्क

इसके अतिरिक्त edx.org एक अंतर्राष्ट्रीय वेबसाइट है, जिसमें पूरे विश्व के अग्रणी विश्वविद्यालय जैसे कैंब्रिज, हार्वर्ड, इत्यादि के द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फाइनेंसियल अकाउंटेंसी, ग्लोबल माइक्रोइकोनॉमिक्स जैसे विविध विषयों पर छोटे-छोटे ऑनलाइन कोर्सेज बनाए हैं | इसके अलावा edx.org पर हजारों की संख्या में बहुत उपयोगी कोर्सेज हैं, इनमें से अधिकांश कोर्सेज निशुल्क है | बिहार के ग्रामीण क्षेत्र के अन्य छात्र या अन्य संस्थानों के छात्र भी इससे लाभान्वित हो सकते हैं | इन कोर्स को ग्लोबल स्टूडेंटस को ध्यान में रखकर एवं उनकी जरूरतों के हिसाब से तैयार किया गया है और इन के वीडियोज़ में विषय को बहुत ही सरल तरीके से समझाया गया है |

इन कोर्स में किसी भी छात्र का इनरोलमेंट तथा पढ़ाई पूर्णता निशुल्क है, जबकि सर्टिफिकेशन का शुल्क देय होता है जिसे डॉलर में प्रदान किया जाना है | हम अक्सर छात्रों को इन कोर्स की पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करते हैं लेकिन सर्टिफिकेशन लेना बहुत महत्वपूर्ण नहीं है, पढ़ाई करना महत्वपूर्ण है, ज्ञान महत्वपूर्ण है और वह निशुल्क है | हालांकि यदि कोई छात्र सर्टिफिकेशन लेना चाहे तो वह एक निर्धारित शुल्क प्रदान करके सर्टिफिकेशन प्राप्त कर सकता है |

nptel.ac.in भी देता है निःशुल्क पढाई करने का मौका

इसी प्रकार nptel.ac.in भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ एचआरडी के द्वारा फंडेड प्रोजेक्ट है | इसे आईआईटी मद्रास के द्वारा संचालित किया जाता है | जबकि आईआईटी-मुंबई, आईआईटी-दिल्ली, आईआईटी-गुवाहाटी, आईटी-खड़कपुर, आईआईटी-कानपुर, आईआईटी-मद्रास, आईआईटी-रुड़की, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस-बेंगलुरु इसके पाठ्यक्रमों के मुख्य संचालनकर्ताओं मे से हैं |
nptel के द्वारा संचालित सभी कोर्सेज निशुल्क हैं एवं इसे संबन्धित विषयों पर वीडियो क्लासेस कंडक्ट की जाती है | nptel के ऑनलाइन कोर्स में शिक्षकों के साथ चैटिंग की भी सुविधा है जिसके माध्यम से शिक्षकों से सवाल किए जा सकते हैं | nptel के तहत कंप्यूटर साइंस, मैनेजमेंट, क्लाउड कंप्यूटिंग, एग्रीकल्चर, आर्किटेक्चर, वेब, मैथमेटिक्स, साइंस, फिजिक्स, केमिस्ट्री, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिमोट सेंसिंग, वाटर सप्लाई इंजीनियरिंग, मॉडलिंग एंड एनालिटिक्स फॉर सप्लाई चैन मैनेजमेंट, मार्केटिंग एनालिटिक्स, मैनेजमेंट ऑफ कमर्शियल बैंकिंग, बिहेवियर एंड पर्सनल फाइनेंस, इंडियन बिजनेस हिस्ट्री, आदि विषयों पर कोर्स संचालित किए जाते हैं | ये कोर्स बेसिक लेवल से शुरू किए जाते हैं एवं उत्तरोत्तर उसमें बढ़ोतरी होती जाती है | छात्रों को पढ़ाई के दौरान कोर्सवेयर एवं पीडीएफ डाउनलोड करने की भी सुविधा उपलब्ध है |

जो लोग विभिन्न कॉम्पिटेटिव एग्जामिनेशन की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए अनअकैडमी, स्टडी आइक्यू जैसे ऑनलाइन एजुकेशन के प्लेटफॉर्म मोजूद हैं, जिनसे वे लाभ ले सकते हैं | वहीं स्तरीय आईएएस, आईआईटी, मेडिकल कोचिंग सेंटर्स के द्वारा यूट्यूब पर हर एक विषय और एग्जामिनेशन से जुड़े हुए लाइव क्लासेस की सुविधा दी जा रही है |

यूट्यूब हो सकता है मददगार

यूट्यूब का प्रयोग अक्सर छात्र वर्ग अपने मनोरंजन के लिए करते हैं | वे फिल्मों के गाने को सुनने या फिल्में देखने के लिए यूट्यूब का इस्तेमाल करते हैं | लेकिन यही समय है की वे अपने समय सदुपयोग करते हुये वे यूट्यूब का इस्तेमाल अपनी पढ़ाई के लिए कर सकते हैं | लाइव क्लासेज अटेंड करने के लिए कर सकते हैं | यूट्यूब पर सभी विषयों पर बहुतेरे लेक्चर एवं क्लासेस मौजूद है, जिनमें आसान एवं मनोरंजक तरीके से विषयों को पढ़ाया गया है |छात्र इनसे लाभान्वित हो सकते हैं | यूट्यूब पर लगभग सभी विषयों पर ट्यूटोरियल वीडियोज़ और पावर पॉइंट भारी संख्या में मौजूद हैं, जिनको छात्र सीधा एक्सेस कर सकते हैं | अच्छी बात यह है कि ये सबै चीज़ें हिंदी में भी उपलब्ध है |

कुछ विषयों पर कैटलिस्ट कॉलेज के शिक्षकों द्वारा इंग्लिश-हिंदी के अलावा भोजपुरी में भी वीडियोज़ बनाए गए हैं, जो यूट्यूब पर हैं, छात्रों के लिए उनको देखना भी रोचक होगा | गणित और कंप्यूटर साइंस जैसे विषयों को हम इंग्लिश में ही पढ़ते आ रहे हैं लेकिन इन विषयों को भोजपुरी में सुनना रोचक होता है | ग्रामीण छात्रों को जब भोजपुरी में गणित और कंप्यूटर साइंस जैसे विषयों को पढ़ाया गया छात्र से सीधा कनेक्ट हो गए | 'भाषा' उनके लिए बाध्यता नहीं रही | आईआईटी मुंबई के स्पोकन ट्यूटोरियल के वीडियो इंग्लिश हिंदी के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में

भी उपलब्ध हैं, बिहार के ग्रामीण परिवेश के छात्रों या अपनी मिट्टी से जुड़े लोगों के लिए इस ट्यूटोरियल को सुनना एक सुखद अनुभव होगा |

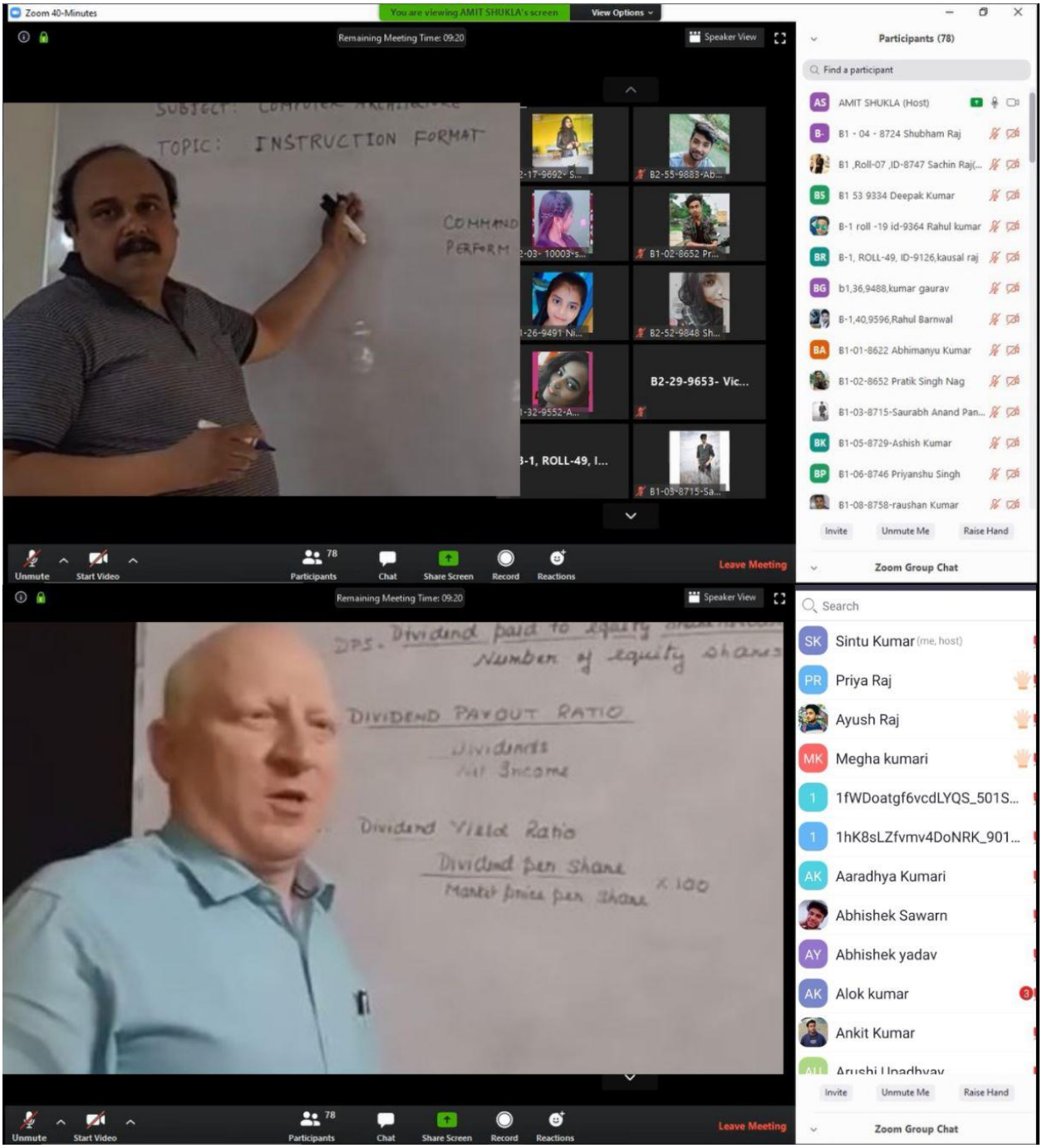

Zoom 40-Minutes
You are viewing AMIT SHUKLA's screen
View Options
Remaining Meeting Time: 09:20
Speaker View
Participants (78)
Find a participant
AMIT SHUKLA (Host)
B1 - 04 - 8724 Shubham Raj
B1 ,Roll-07 ,ID-8747 Sachin Raj(...
B1 53 9334 Deepak Kumar
B-1 roll -19 id-9364 Rahul kumar
B-1, ROLL-49, ID-9126,kausal raj
b1,36,9488,kumar gaurav
B-1,40,9596,Rahul Barnwal
B1-01-8622 Abhimanyu Kumar
B1-02-8652 Pratik Singh Nag
B1-03-8715-Saurabh Anand Pan...
B1-05-8729-Ashish Kumar
B1-06-8746 Priyanshu Singh
B1-08-8758-raushan Kumar
Invite
Unmute Me
Raise Hand
Zoom Group Chat
TOPIC: INSTRUCTION FORMAT
COMMAND
PERFORM
B2-55-9883-Ab...
B1-02-8652 Pr...
B2-52-9848 Sh...
B2-29-9653- Vic...
B1-03-8715-Sa...
Unmute
Start Video
Participants
Chat
Share Screen
Record
Reactions
Leave Meeting

Remaining Meeting Time: 09:20
Speaker View
DIVIDEND PAYOUT RATIO
Dividend Yield Ratio
Dividend per Share
Market price per share
× 100
Search
Sintu Kumar (me, host)
Priya Raj
Ayush Raj
Megha kumari
1fWDoatgf6vcdLYQS_501S...
1hK8sLZfvmv4DoNRK_901...
Aaradhya Kumari
Abhishek Sawarn
Abhishek yadav
Alok kumar
Ankit Kumar
Invite
Unmute Me
Raise Hand
Zoom Group Chat
Unmute
Start Video
Participants
Chat
Share Screen
Record
Reactions
Leave Meeting

Remaining Meeting Time: 09:22
Speaker View
Unmute
Start Video
77
Participants
Chat
Share Screen
Record
Reactions
Leave Meeting
Participants (77)
Find a participant
AS Poddar Sir (Host)
B- B1 - 04 - 8724 Shubham Raj
B1 ,Roll-07 ,ID-8747 Sachin Raj(...
BS B1 53 9334 Deepak Kumar
B-1 roll -19 id-9364 Rahul kumar
BR B-1, ROLL-49, ID-9126,kausal raj
BG b1,36,9488,kumar gaurav
B-1,40,9596,Rahul Barnwal
BA B1-01-8622 Abhimanyu Kumar
B1-02-8652 Pratik Singh Nag
B1-03-8715-Saurabh Anand Pan...
BK B1-05-8729-Ashish Kumar
BP B1-06-8746 Priyanshu Singh
B1-08-8758-raushan Kumar
Invite
Unmute Me
Raise Hand
Zoom Group Chat